4 किवाड़ केशव ने खोला था, लेकिन श्यामा ने माँ से यह बात नहीं कही। उसे डर लगा कि भइया पिट जाएँगे। केशव दिल में काँप रहा था कि कहीं श्यामा कह न दे। अंडे न दिखाए थे, इससे अब उसको श्यामा पर विश्वास न था। श्यामा सिर्फ़ मुहब्बत के मारे चुप थी या इस कसूर में हिस्सेदार होने की वजह से, इसका फ़ैसला नहीं किया जा सकता। शायद दोनों ही बातें थीं। *(पृष्ठ 17)*

बहुवैकल्पिक प्रश्नोत्तर

1. *श्यामा ने माँ को यह क्यों नहीं बताया कि दरवाज़ा केशव ने खोला था?*
   (क) क्योंकि इससे केशव नाराज हो जाता।
   (ख) यह सुनकर माँ उसे पीट देती।
   (ग) यह सुनकर माँ दोनों की पिटाई करती।
   (घ) इनमें से कोई नहीं।
2. *केशव को क्या डर था?*
   (क) श्यामा माँ को यह न बता दे कि वह पूरी दोपहर खेल रहा था।
   (ख) श्यामा माँ को यह न बता दे कि उसने चिड़िया के अंडों को छेड़ा है।
   (ग) श्यामा माँ को यह न बता दे कि अंडे टूट गए हैं।
   (घ) श्यामा माँ को यह न बता दे कि उसने अण्डें तोड़ें हैं।

Scanned with CamScanner

3. *श्यामा चुप क्यों थी?*

(क) क्योंकि उसे भाई के पिटने का डर था।

(ख) क्योंकि वह भी भाई के साथ पूरी हिस्सेदार थी।

(ग) क्योंकि माँ की बातों का उसके पास कोई उत्तर न था।

(घ) उपर्युक्त सभी।

4. *केशव मन ही मन श्यामा से क्यों डर रहा था?*

(क) क्योंकि उसने उसे डाँटा था।

(ख) क्योंकि उसने श्यामा को अंडे न दिखाए थे इसलिए उसे डर था कि वह माँ को उसकी शिकायत लगा देगी।

(ग) क्योंकि श्यामा ने उसे अंडे छेड़ते हुए देख लिया था।

(घ) क्योंकि श्यामा के सामने केशव से अंडे टूटे थे।

5. *श्यामा केशव के किस कसूर में हिस्सेदार थी?*

(क) चिड़िया को भगाने में (ख) चिड़िया के अंडे छेड़ने में

(ग) केशव के साथ खेलने में (घ) चिड़िया के अंडे तोड़ने में

उत्तर– 1. (ख) 2. (ख) 3. (घ) 4. (ख) 5. (ख)

5 चार बजे यकायक श्यामा की नींद खुली। किवाड़ खुले हुए थे। वह दौड़ी हुई कार्निस के पास आई और ऊपर की तरफ़ ताकने लगी। टोकरी का पता न था। संयोग से उसकी नज़र नीचे गई और वह उलटे पाँव दौड़ती हुई कमरे में जाकर ज़ोर से बोली–भइया, अंडे तो नीचे पड़े हैं, बच्चे उड़ गए।

केशव घबराकर उठा और दौड़ा हुआ बाहर आया तो क्या देखता है कि तीनों अंडे नीचे टूटे पड़े हैं और उनसे कोई चूने की-सी चीज़ बाहर निकल आई है। पानी की प्याली भी एक तरफ़ टूटी पड़ी है।

उसके चेहरे का रंग उड़ गया। सहमी हुई आँखों से ज़मीन की तरफ़ देखने लगा। *(पृष्ठ 17-18)*

प्रश्न–

(क) *श्यामा कब उठी? उठते ही उसने क्या किया?*

(ख) *श्यामा क्या देखकर उलटे पाँव दौड़ पड़ी?*

(ग) *केशव के चेहरे का रंग क्यों उड़ गया था?*

उत्तर–(क) श्यामा अचानक चार बजे उठी। उठते ही वह कार्निस के पास पहुँची और ऊपर की ओर ताकने लगी।

(ख) श्यामा दौड़ी हुई कार्निस के पास आई थी। वहाँ आकर उसने ऊपर की तरफ़ ताका। वहाँ टोकरी नहीं थी, जब उसने नीचे देखा तो अंडे नीचे पड़े थे। यह देखते ही वह उलटे पाँव दौड़ पड़ी थी।

(ग) श्यामा ने जब केशव को बताया कि अंडे नीचे पड़े हैं और बच्चे उड़ गए हैं, तो वह घबरा गया था। जब वह बाहर आया तो उसने देखा कि तीनों अंडे नीचे टूटे पड़े थे। पानी की प्याली भी टूट गई थी। यह देखकर उसके चेहरे का रंग उड़ गया था।

6 केशव रोनी सूरत बनाकर बोला–मैंने तो सिर्फ़ अंडों को गद्दी पर रख दिया था अम्माँ जी! माँ को हँसी आ गई। मगर केशव को कई दिनों तक अपनी गलती पर अफ़सोस होता रहा। अंडों की हिफ़ाज़त करने के जोश में उसने उनका सत्यानाश कर डाला। इसे याद कर वह कभी-कभी रो पड़ता था। *(पृष्ठ 19)*

बहुवैकल्पिक प्रश्नोत्तर

1. *केशव ने रोनी सूरत क्यों बना ली?*

(क) क्योंकि अंडे टूट जाने पर उसे अपनी माँ का डर था। (ख) क्योंकि उसने जान-बूझकर अंडे तोड़े थे।

(ग) क्योंकि उसकी श्यामा से लड़ाई हो गई थी। (घ) क्योंकि माँ ने उसे बहुत मारा था।

Scanned with CamScanner

2. *माँ को हँसी क्यों आ गई?*

(क) क्योंकि माँ ने सारी घटना को सहज रूप में लिया था। (ख) केशव की भोली रोनी सूरत देखकर

(ग) भाई-बहन की लड़ाई देखकर (घ) श्यामा की अंडों के लिए चिंता देखकर।

3. *केशव कभी-कभी रो क्यों पड़ता था?*

(क) क्योंकि उसे चिड़िया के अंडों से लगाव हो गया था।

(ख) क्योंकि उसे अपनी गलती का अहसास था कि उसकी छेड़ा-छाड़ी के कारण ही अंडे टूट गए हैं।

(ग) क्योंकि श्यामा ने उसकी पिटाई कर दी थी।

(घ) क्योंकि माँ ने उसे माफ़ नहीं किया था।

4. *'हिफ़ाजत के जोग में सत्यानाश करना' का क्या तात्पर्य है?*

(क) मदद न कर पाना (ख) पूरी सुविधाएँ न देना

(ग) रक्षा करते-करते हत्या कर देना (घ) कार्य गलत होने पर पछताना।

5. *केशव कई दिनों तक कौन-सी बात भूल न पाया?*

(क) अपनी गलती के कारण चिड़िया के अंडे टूटने की (ख) श्यामा से लड़ाई की

(ग) माँ की डाँट की (घ) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर– 1. (क) 2. (क) 3. (ख) 4. (ग) 5. (क)

Scanned with CamScanner